Date:- 24/07/2020	Degree Part-I (Hons.)
Content Writer:-	Paper-I
Dr. Akhay Kumar Pathak	Content of Paper:-
Deptt. of Economics,	Micro Economics
Marwari College,	
Darbhanga (LNMU)	

TOPIC :- FACTORS AFFECTING DEMAND FUNCTION

सामान्यतया माँग से अभिप्राय सभी प्रभावपूर्ण इच्छाओं से है। अर्थात प्रभावपूर्ण इच्छाओं को माँग कहते है। परन्तु विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने माँग को भिन्न-भिन्न रूपों में परिभाषित किया है माँग के इन परिभाषाओं को हम निम्नांकित तीन वर्गो में वर्गीकृत करके अध्ययन कर सकते हैं :—

(i) प्रथम वर्गीकरण :— इस वर्गीकरण के अंतर्गत माँग का संबंध प्रभावपूर्ण इच्छा से है इस कोटि के अंतर्गत प्रो० पेन्सन ने माँग को परिभाषित करते हुए कहा है कि माँग केवल एक प्रभावपूर्ण इच्छा है। इसमें तीन बातें सम्मिलित रहती है— (a) किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा (b) उसे क्रय करने के साधन (c) साधनों को वस्तु के खरीद के लिए व्यय करने की तत्परता।

(ii) द्वितीय वर्गीकरण :— इस वर्गीकरण के अंतर्गत माँग का संबंध मूल्य से है इस कोटि के अंतर्गत प्रो० मिल ने मूल्य रूप से परिभाषित करते हुए कहा है कि माँग का अभिप्राय किसी वस्तु के उस मात्रा से है जो एक निश्चित मूल्य पर खरीदी जाती है। अर्थात इस दृष्टिकोण से माँग का संबंध पूर्ण रूप से मूल्य से है।

Maharaza

(iii) तृतीय वर्गीकरण :— इस वर्गीकरण के अंतर्गत माँग को संबंध कीमत एवं समय होना है। इस कोटि के अंतर्गत मुख्य रूप से प्रो० बेन्हम ने माँग को परिभाषित करते हुए कहा है कि किसी दिए हुए मूल्य पर वस्तु की माँग उस परिमाण को कहते हैं जो उस मूल्य पर एक निश्चित समय में क्रय की जाती है।

माँग की परिभाषाओं के उपरोक्त वर्गीकरण से यह स्पष्ट है कि माँग की क्रिया संपादित होने के लिए अर्थात इच्छाओं को माँग में परिवर्तित होने के लिए निम्नांकित तत्वों का होना आवश्यक है :—

(i) वस्तु की इच्छा का होना।

(ii) वस्तु को क्रय करने हेतु संसाधन का होना।

(iii) वस्तु जिसको क्रय की जानी है, उसका निश्चित मूल्य का होना।

(iv) वस्तु को क्रय करने हेतु निश्चित समय का होना।

(v) वस्तु को खरीद करने हेतु व्यय करने की तत्परता का होना।

अर्थात उपरोक्त पाँचों तत्वों के मौजूदगी में ही इच्छा माँग में परिवर्तित होती है।

Mabaraza

Date __/__/____ Page No. ____

माँग फलन एवं माँग को प्रभावित करने वाले तत्व :-

माँग फलन से तात्पर्य इस बात का पता लगाना होता है कि कौन-कौन से तत्व माँग को निर्धारित करते हैं। अर्थात एक निश्चित समय पर किसी वस्तु की माँग फलन उस वस्तु को खरीदी जा सकने वाली विभिन्न मात्राओं को प्रभावित करने वाले तत्वों के आपसी संबंध से है। अतः माँग को प्रभावित करने वाले निम्नांकित तत्वों को विश्लेषित किया जा सकता है :—

(1) वस्तु की कीमत :— किसी वस्तु की माँग उसकी कीमत पर निर्भर करती है। वस्तु की की माँग एवं वस्तु की कीमत में विपरीत संबंध होता है। अर्थात वस्तु के कीमत में वृद्धि के साथ उसके माँग में कमी हो जाती है।

(2) संबंधित वस्तुओं की कीमत :— स्थानापन्न या प्रतियोगी वस्तुओं एवं पूरक वस्तुओं के कीमत का माँग फलन पर प्रभाव पड़ता है।

(3) उपभोक्ता की आय :— वस्तु की माँग उपभोक्ता की आय पर निर्भर करती है। उपभोक्ता की आय से वस्तु की माँग प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है।

(4) उपभोक्ता की रुचि :— किसी वस्तु की माँग उपभोक्ता की रुचि पर भी निर्भर करती है।

Maharaza

1'

(5)

Date ___/___/______ Page No.: ____

(5) स्वाद में परिवर्तन :— स्वाद में परिवर्तन का वस्तु के माँग के साथ प्रत्यक्ष संबंध है।

(6) जनसंख्या में परिवर्तन :— जनसंख्या में परिवर्तन के कारण वस्तु की माँग की मात्रा में परिवर्तन होता है।

(7) मुद्रा की मात्रा में परिवर्तन :— जब देश में मुद्रा की मात्रा बढ़ जाती है, तब मूल्य स्तर ऊँचा होता है फलतः वस्तुओं की औसत माँग कम हो जाती है।

(8) बचत करने की प्रवृत्ति में परिवर्तन — बचत करने की प्रवृत्ति में परिवर्तन के कारण वस्तु की माँग में परिवर्तन हो जाता है।